रोमियों 6:23

“क्योंकि पाप का वेतन मृत्यु है; परन्तु परमेश्वर का वरदान
अनंत जीवन है हमारे प्रभु यीशु मसीह में।”

शालोम, परमेश्वर के प्रिय बच्चों! हमारे प्रभु के वचन का यह अध्ययन में आपका स्वागत है। जैसा कि हम में से कई जानते हैं, यीशु मसीह के बिना कोई सच्चा जीवन नहीं है। वही कारण है कि हम आज जीवित हैं। हम उसी के द्वारा जीवित हैं, और अगर हम मर भी जाएँ, तो भी हम उसके लिए मरते हैं।

बाइबल कहती है:

रोमियों 14:7–9

“क्योंकि न कोई अपने लिए जीता है, न कोई अपने लिए मरता है।
यदि हम जीते हैं, तो हम प्रभु के लिए जीते हैं; और यदि हम
मरते हैं, तो हम प्रभु के लिए मरते हैं।
इसलिए हम जिएँ या मरे, हम प्रभु के हैं।
क्योंकि मसीह ने इसी लिए मृत्यु पाई और पुनर्जीवित हुआ, कि

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

वह मृतकों और जीवितों पर प्रभु हो।”

यीशु मसीह को ही स्वर्ग और पृथ्वी में सारी सत्ता दी गई है। भले ही बाइबल शैतान को “इस संसार का देवता” कहती है (2 कुरिन्थियों 4:4), हमें यह समझना चाहिए कि उसकी शक्ति अस्थायी है और केवल परमेश्वर की अनुमति के तहत है। उसका शासन स्वतंत्र नहीं है; इसे केवल एक सीमित समय के लिए अनुमति दी गई है, और एक दिन उसकी सत्ता समाप्त हो जाएगी।

शैतान की सीमित सत्ता
शैतान केवल परमेश्वर की अनुमति से शासन करता है, अपने आप से नहीं। जैसे कि यौब 1:6–12 में देखा गया है, वह परमेश्वर की अनुमति के बिना कुछ भी नहीं कर सकता। एक समय आएगा जब शैतान को एक हजार वर्षों के लिए बंधा जाएगा ताकि पृथ्वी पर मसीह का शांतिपूर्ण शासन स्थापित हो सके (प्रकाशितवाक्य 20:1–3)। उसके बाद वह थोड़े समय के लिए मुक्त किया जाएगा और अंततः आग की झील में फेंक दिया जाएगा (प्रकाशितवाक्य 20:10)।

यह हमें यीशु मसीह की पूरी सृष्टि पर श्रेष्ठता दिखाता है: हर प्राणी, दिखाई देने वाला या अदृश्य, उसकी सत्ता के अधीन है। कुछ भी उसके नियंत्रण से बाहर नहीं है।

मत्ती 28:18
“यीशु उनके पास आकर बोला, ‘स्वर्ग और पृथ्वी में सारी सत्ता मुझे दी गई है।’”

“पाप का वेतन”
एक दिन मैं चक्की के पास से गुजर रही थी और मैंने देखा कि कुछ मक्का के दाने पानी की खाई के पास गिर गए थे। आश्चर्य की बात यह थी कि उनमें से कुछ अंकुरित हो गए थे। यह मुझे सोचने पर मजबूर कर गया: क्यों वे उग रहे हैं जबकि किसी ने उन्हें जानबूझकर बोया नहीं था?

तभी मुझे समझ आया: जो भी कोई बोएगा, वही काटेगा — चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में। यह एक दिव्य नियम है।

जानबूझकर और अनजाने में बोना
हम अक्सर सोचते हैं कि किसान केवल वही है जो जानबूझकर बोता है। लेकिन जो व्यक्ति अनजाने में भी बीज गिरा देता है, वह भी बोने वाला बन जाता है। जानबूझकर या अनजाने में — बीज बढ़ेगा और फसल आएगी।

ठीक वैसे ही, हम अपने जीवन में अपने कर्मों, विचारों और शब्दों के माध्यम से बोते हैं, चाहे हमें इसका एहसास हो या न हो।

गलातियों 6:7–8

“भ्रमित न होइए! परमेश्वर का मज़ाक न उड़ाइए; क्योंकि जो कोई बोएगा, वही काटेगा।
जो अपनी देह पर बोएगा, वह देह से विनाश काटेगा; परन्तु जो आत्मा पर बोएगा, वह आत्मा से अनंत जीवन काटेगा।”

जाने-अनजाने हर कर्म की फसल होती है। अच्छे बीज आशीर्वाद लाते हैं, बुरे बीज विनाश।

पाप का परिणाम: मृत्यु
जो पाप में जीता है — चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में — वही परिणाम देखेगा: पाप का वेतन मृत्यु है। यह इसलिए नहीं कि परमेश्वर अन्यायपूर्ण है, बल्कि क्योंकि पाप स्वभावतः विनाश की ओर ले जाता है।

यदि आप कामुक पाप करते हैं, व्यभिचार करते हैं, चोरी करते हैं, पोर्नोग्राफी में फंसते हैं, हस्तमैथुन करते हैं, नशा करते हैं,

दूसरों की बदनामी करते हैं या गर्भपात कराते हैं, आप बीज बो रहे हैं।

चाहे आप पाप को पहचानें या न पहचानें, फसल आएगी। अंत परिणाम मृत्यु है — आध्यात्मिक मृत्यु, शारीरिक विनाश और यदि पश्चाताप नहीं हुआ तो परमेश्वर से अनंत पृथक्करण।

अज्ञानता कोई सुरक्षा नहीं है
ध्यान दें: जैसे पृथ्वी पर कानूनों में अपराध करने वाले से यह नहीं पूछा जाता कि उसे पता था या नहीं, वैसे ही आध्यात्मिक क्षेत्र में भी। परमेश्वर का मज़ाक नहीं उड़ाया जा सकता। आप वही काटेंगे जो आपने बोया, चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में।

रोमियों 6:23
“क्योंकि पाप का वेतन मृत्यु है…”

ध्यान दें: बाइबल कहती है “पाप का वेतन,” न कि “पाप की सज़ा।” वेतन सज़ा नहीं, बल्कि भुगतान है। जो पाप के लिए काम करता है, उसे मृत्यु वेतन के रूप में मिलती है।

प्रकाशितवाक्य 22:12

“देखो, मैं शीघ्र आ रहा हूँ, और मेरा वेतन मेरे पास है, ताकि
मैं प्रत्येक को उसके कर्म के अनुसार दूँ।”

यौम-ए-आख़िर में केवल सज़ा नहीं, बल्कि पुरस्कार भी है। जो पाप या धार्मिकता में काम करते हैं, उन्हें उनका वेतन मिलेगा।

मसीह में आशा
प्रिय भाई और बहन, जो इसे पढ़ रहे हैं: यदि आप पाप में जी रहे हैं — जानबूझकर या अनजाने में — समझिए: यीशु मसीह के बिना जीवन ऐसा है जैसे सड़क किनारे बीज बोना। लेकिन ये बीज फिर भी उगेंगे। एक दिन वे फसल देंगे — मृत्यु या जीवन।

परंतु आशा है!

रोमियों 6:23 (दूसरी आधी)

“…परन्तु परमेश्वर का वरदान अनंत जीवन है हमारे प्रभु यीशु मसीह में।”

आप अपना “वेतन” बदलकर वरदान पा सकते हैं। आपको मृत्यु का अधिकारी नहीं बनना है; आप जीवन पा सकते हैं — कर्मों के द्वारा नहीं, बल्कि अनुग्रह और यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा।

यीशु ने मरकर और पुनर्जीवित होकर यह सुनिश्चित किया कि आपको अनंत मृत्यु का सामना न करना पड़े।

निर्णय का समय अब है
उपदेशक 12:1

“अपने स्रष्टा को अपनी युवावस्था में याद करो, जब तक बुरे
दिन न आएँ…”

इंतजार मत करो जब आप उसे खोज न सकें। आज, जब आप उसकी आवाज सुनते हैं, तो अपने हृदय को कठोर मत बनाइए। अपना जीवन यीशु मसीह को सौंपिए। अपने पापों से पश्चाताप कीजिए। क्रूस पर उसके किए हुए कार्य पर विश्वास कीजिए। केवल वही आपको अनंत जीवन दे सकता है।

मैं प्रार्थना करती हूँ कि प्रभु आपको यह सच्चाई समझने की कृपा दें, पाप से पलटें और यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा धार्मिकता खोजें।

ईश्वर आपको भरपूर आशीर्वाद दे, जब आप अनंत जीवन के मार्ग का चुनाव करते हैं।

आमीन।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp